

VII. समष्टि आर्थिक परिदृश्य

विद्यमान समय में आर्थिक स्थितियों का मूल्यांकन दर्शाता है कि 2008 के दौरान वैश्विक आर्थिक स्थितियों में तेजी से गिरावट आई और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के पूर्वानुमान संकेत करते हैं कि 2009 के दौरान मंदी की स्थितियां और गहराएंगी। वैश्विक गतिविधियों और भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव तथा देशी चक्रीय कारकों को दर्शाते हुए आर्थिक गतिविधि के विभिन्न सर्वेक्षण आनेवाले महीनों में भारतीय अर्थव्यवस्था की संभावनाओं के प्रति आशावादी भाव रहने की ओर संकेत करते हैं।

VII.1 विभिन्न कारोबारी प्रत्याशा सर्वेक्षण के आधार पर भारतीय अर्थव्यवस्था का समष्टि आर्थिक परिदृश्य लगातार सामान्य भाव से कम स्थिति दर्शा रहा है। दिसंबर 2008 में रिजर्व बैंक द्वारा किया गया व्यावसायिक पूर्वानुमान लगाने वालों का सर्वेक्षण बताता है कि 2008-09 में आर्थिक गतिविधि में और कमी आएगी। प्रतिक्रिया देने वालों द्वारा दी गयी सूचना के अनुसार अनुमानित वैश्विक आर्थिक मंदी, वैश्विक वित्तीय बाजारों की स्थिति बिगड़ने और घरेलू मांग धीमी हो जाने के कारण ऐसा प्रतीत होता है कि अधोगामी जोखिमों की वृद्धि विवर्धित हो गयी है। इस वैश्विक मंदी का अप्रत्याशित प्रभाव भारतीय अर्थव्यवस्था में वृद्धि की प्रक्रिया के मुख्य प्रेरकों के रूप में दृष्टव्य है जो 2008-09 की तीसरी तिमाही के दौरान धीमा पड़ गया।

कारोबारी प्रत्याशा सर्वेक्षण

VII.2 राष्ट्रीय अनुप्रयुक्त आर्थिक अनुसंधान परिषद (एनसीएईआर) के तिमाही कारोबारी प्रत्याशा सर्वेक्षण (67वां चक्र) के अनुसार कारोबारी विश्वास सूचकांक (बीसीआई) अक्टूबर 2008 के 119.9 से तेजी से गिरकर जनवरी 2009 में 91.4 पर आ गया। इस प्रकार बीसीआई को अक्टूबर 2008 के अपने स्तर की तुलना

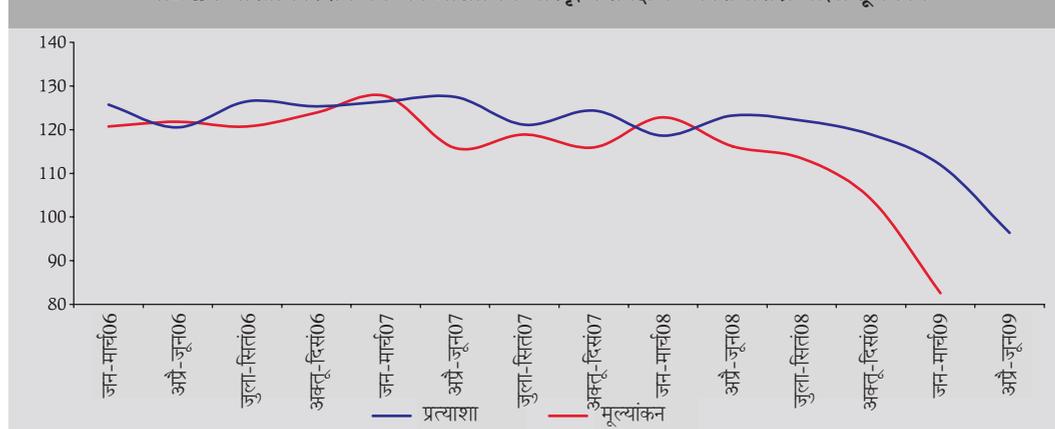
सारणी 70 : कारोबार प्रत्याशा सर्वेक्षण				
संगठन	कारोबार प्रत्याशा		एक वर्ष पूर्व की तुलना में वृद्धि (प्रतिशत)	पिछले चक्र की तुलना में वृद्धि (प्रतिशत)
	अवधि	सूचकांक		
1	2	3	4	5
एनसीआईआर	नवंबर 2008-जनवरी 2009	कारोबार विश्वास सूचकांक	-40.6	-23.8
सीआइआइ	अक्टूबर 2008-मार्च 2009	कारोबार विश्वास सूचकांक	-15.1	-7.7
डन एंड ब्रेंडस्ट्रीट	अप्रैल-जून 2009	कारोबार उत्साह सूचकांक	-39.0	-2.0

में 28.5 अंक (23.8 प्रतिशत) की हानि हुई। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआइआइ) के तिमाही कारोबारी प्रत्याशा सर्वेक्षण के अनुसार अक्टूबर 2008 से मार्च 2009 के लिए कारोबारी प्रत्याशा सूचकांक (सीआइआइ-बीसीआइ) पिछले छह महीनों की तुलना में तथा पिछले वर्ष की तदनु रूप अवधि की तुलना में भी कम हुआ (सारणी 70)। यह गिरावट वैश्विक आर्थिक परिदृश्य के बारे में अनिश्चितताएं दर्शाती है तथा निधियों की उंची लागत के प्रति चिंताएं व्यक्त करती है। 2009 की दूसरी तिमाही के लिए डन एण्ड ब्रेड स्ट्रीट बिजनेस ऑप्टिमिज्म इंडेक्स में मामूली गिरावट आई और यह 93.8 हो गया जो कि 2002 की चौथी तिमाही में इसकी शुरुआत से ही कम था। इसने 2009 की पहली तिमाही के दौरान 31 प्रतिशत तक की गिरावट का अनुसरण किया। इस सूचकांक ने पिछले वर्ष की तदनु रूप तिमाही की तुलना में भी 39.0

प्रतिशत की गिरावट सूचित की। माल भंडारों के स्तरों को छोड़कर अन्य सभी सूचकांकों (बिक्री की मात्रा, निवल लाभ, नये ऑर्डर, बिक्री की कीमतें और कर्मचारी स्तर) ने पिछली तिमाही की तुलना में 2009 की दूसरी तिमाही में गिरावट दर्ज की।

VII.3 निजी क्षेत्र की निर्माण कंपनियों के रिजर्व बैंक के औद्योगिक प्रत्याशा सर्वेक्षण के अनुसार जनवरी-मार्च 2009 के लिए मूल्यांकन और अप्रैल-जून 2009 के लिए प्रत्याशाओं के आधार पर कारोबारी प्रत्याशा सूचकांकों में पिछली तिमाहियों की तुलना में क्रमशः 30.7 प्रतिशत और 13.9 प्रतिशत की गिरावट आई। जब इन सूचकांकों की पिछले वर्ष की तदनु रूप तिमाहियों से तुलना की गयी तो इसी प्रकार की प्रवृत्ति पाई गयी थी (चार्ट 49)।

चार्ट 49: भारतीय रिजर्व बैंक का औद्योगिक परिदृश्य सर्वेक्षण - कारोबारी प्रत्याशा सूचकांक



VII.4 प्रमुख कारोबार भाव संकेतकों जैसे कि समग्र कारोबारी स्थिति, समग्र वित्तीय स्थिति, उत्पादन, ऑर्डर बुक, क्षमता उपयोग, रोजगार, निर्यात, आयात और लाभ मार्जिन जनवरी-मार्च 2009 और अप्रैल-जून 2009 की तिमाहियों के लिए आशाएं एक वर्ष की पहले की तुलना में काफी कम हो गईं। जनवरी-मार्च 2009 के दौरान कच्चे माल की लागत में काफी सुधार आया और प्रतिक्रिया देनेवालों के एक काफी बड़े निवल हिस्से ने यह मत व्यक्त किया कि पिछली तिमाही के संबंधित स्तरों से बिक्री कीमतों में 'गिरावट' आएगी (सारणी 71)। उद्योग-वार अलग-अलग आंकड़ों ने दर्शाया कि नमूना कंपनियों के लिए 'समग्र कारोबारी स्थिति' के संबंध में निवल भाव जनवरी-मार्च 2009 की तिमाही के लिए नकारात्मक थे। उद्योग समूह जैसे कि खाद्य उत्पाद, फार्मास्युटिकल और सीमेंट ने सकारात्मक भाव दर्शाया और आशा की कि उन कंपनियों जो संकुचन की आशा कर रही थीं, की तुलना में और भी कंपनियां वृद्धि की आशा कर रही हैं। अप्रैल-जून 2009 के लिए टेक्सटाईल को छोड़कर सभी उद्योगों के लिए समग्र निवल भाव सकारात्मक है। राज्यवार आंकड़े अलग-अलग दर्शाते हैं कि 'समग्र कारोबारी स्थिति' में जनवरी-मार्च 2009 की तिमाही में संकुचन व्यापक है। अप्रैल-जून 2009 तिमाही के लिए विभिन्न कंपनियों में औसत वृद्धि प्रत्याशित है। अपने बड़े प्रतियोगियों की तुलना में छोटी कंपनियों के लिए प्रत्याशाएं कम आशावादी हैं।

VII.5 मार्च 2009 के लिए एबीएन-एमरो परचेसिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) तटस्थ चिह्न 50.0 के एकदम ठीक नीचे 49.5 पर था जो भारतीय निर्माण उद्योग की कमजोर स्थिति को दर्शाता है, हालांकि सूचकांक ने सीधे तीसरे महीने के लिए आंशिक सुधार के संकेत दिए। जनवरी 2009 से उत्पादन के कुछ बढ़ने के बावजूद निर्माता लगातार देशी और विदेशी ग्राहकों से वैश्विक

वित्तीय और आर्थिक स्थितियों के कारण नए आर्डरों में गिरावट रिपोर्ट कर रहे हैं। नया ऑर्डर सूचकांक जोकि 49.5 पर अगले माह के लिए गतिविधि का एक अग्रणी संकेतक है, वह तटस्थ चिह्न से मामूली कम है लेकिन फरवरी 2009 के 45.9 की स्थिति से थोड़ा सुधर गया। उसी महीने के दौरान निर्यात ऑर्डर और भी गिरकर 43.6 रह गया। ऐसी गिरावट निर्माण क्षेत्र में गतिविधि के और कमजोर होने की संभावना का संकेत देती है। कम उत्पादन तथा स्टॉक खत्म करने की रणनीतियों से उत्पादन-पूर्व और उत्पादनोपरांत स्टॉक में गिरावट आई। मुख्य रूप से ये प्रवृत्तियां निर्माण क्षेत्र में खराब होते परिदृश्य में दिखाई दें।

व्यावसायिक पूर्वानुमान बतानेवालों का सर्वेक्षण¹

VII.6 रिजर्व बैंक द्वारा मार्च 2009 में किए गए व्यावसायिक पूर्वानुमान बतानेवालों के सर्वेक्षण के परिणामों ने समग्र रूप में 2008-09 के लिए आर्थिक गतिविधि में मंदी बतायी (सारणी 72)। दिसंबर 2008 में किए गए सर्वेक्षण के छठे चक्र और मार्च 2009 में सर्वेक्षण के सातवें चक्र के बीच 2008-09 के लिए वास्तविक जीडीपी वृद्धि का माध्य पूर्वानुमान संशोधित होकर 6.6 प्रतिशत से 6.8 प्रतिशत हो गया। कृषि क्षेत्र के लिए क्षेत्रीय वृद्धि दर पूर्वानुमान अधोगामी रूप से संशोधित होकर 3 प्रतिशत से 1.6 प्रतिशत हो गया और उद्योग के लिए 4.9 प्रतिशत से 4.1 प्रतिशत हो गया। तथापि, सेवाओं के लिए क्षेत्रवार वृद्धि दर पूर्वानुमान ऊर्ध्वमुखी दिशा में संशोधित होकर पिछले सर्वेक्षण के 9.0 प्रतिशत से मौजूदा सर्वेक्षण में 9.3

¹ सितंबर 2007 को समाप्त तिमाही को रिजर्व बैंक द्वारा प्रारंभ किया गया। इस खंड में दिए गए पूर्वानुमान व्यावसायिक पूर्वानुमान बतानेवालों के हैं न कि रिजर्व बैंक के।

सारणी 71: रिजर्व बैंक का सर्वेक्षण - औद्योगिक निष्पादन के बारे में 'अगली तिमाही' की प्रत्याशाओं पर निवल प्रतिसाद

मानदंड	प्रतिसाद	अप्रै.-जून 2008	जुला.-सितं. 2008	अक्तू.- दिसं. 2008	जन.-मार्च 2009	अप्रै.-जून 2009
1	2	3	4	5	6	7
1 समग्र कारोबारी स्थिति	बेहतर	46.0 (42.7)	41.8 (42.6)	33.7 (44.1)	21.1 (43.9)	11.2 (47.6)
2 वित्तीय स्थिति	बेहतर	36.6 (51.6)	32.7 (53.0)	27.7 (52.5)	16.4 (53.2)	8.4 (52.7)
3 कार्यशील पूंजी वित्त आवश्यकता	वृद्धि	36.6 (56.5)	33.6 (57.3)	33.8 (57.7)	32.9 (57.1)	23.2 (61.0)
4 वित्त की उपलब्धता	सुधार	32.3 (58.3)	30.2 (57.9)	23.3 (59.0)	13.7 (56.3)	9.3 (61.7)
5 उत्पादन	वृद्धि	45.2 (41.0)	43.5 (36.6)	39.8 (42.1)	26.0 (42.3)	9.9 (44.9)
6 आर्डर बुक	वृद्धि	41.5 (44.3)	38.5 (43.5)	35.7 (46.1)	20.6 (46.1)	6.4 (44.4)
7 लंबित आदेश, यदि लागू हो	सामान्य से कम	-4.3 (81.3)	2.2 (80.9)	4.6 (82.0)	11.5 (77.8)	23.2 (59.4)
8 कच्चे माल की लागत	कमी	-48.2 (46.0)	-54.7 (39.1)	-61.1 (32.3)	-35.7 (39.7)	-16.2 (33.7)
9 कच्चे माल का भंडार	सामान्य से कम	-7.0 (83.2)	-3.8 (81.8)	-7.6 (77.6)	-3.3 (81.3)	1.1 (80.2)
10 तैयार वस्तुओं का भंडार	सामान्य से कम	-5.8 (84.5)	-1.5 (84.5)	-4.3 (82.6)	-4.4 (80.9)	-4.4 (78.4)
11 क्षमता का उपयोग (मुख्य उत्पाद)	वृद्धि	25.6 (59.9)	22.2 (58.8)	26.4 (56.0)	12.3 (59.1)	-0.7 (55.0)
12 क्षमता के उपयोग का स्तर (पूर्ववर्ती चार तिमाहियों के औसत की तुलना में)	सामान्य से अधिक	9.4 (77.0)	3.6 (74.9)	-0.5 (78.7)	-7.4 (73.7)	-20.8 (66.4)
13 उत्पादन क्षमता का मूल्यांकन (अगले छह महीनों में अपेक्षित मांग के संदर्भ में)	पर्याप्त से अधिक	8.0 (81.2)	4.6 (81.3)	5.7 (81.7)	11.8 (81.0)	8.9 (70.7)
14 कंपनी में रोजगार	वृद्धि	20.8 (68.2)	15.8 (71.5)	16.6 (70.4)	7.7 (75.7)	-5.1 (74.0)
15 निर्यात, यदि लागू हो	वृद्धि	27.7 (53.3)	27.7 (54.9)	27.3 (54.3)	16.0 (54.8)	-3.8 (57.3)
16 आयात, यदि कोई हो	वृद्धि	25.3 (65.6)	21.3 (66.5)	21.4 (67.9)	9.1 (69.7)	-1.4 (68.8)
17 बिक्री मूल्य संबंधी अनुमान	वृद्धि	19.1 (66.0)	21.0 (61.5)	26.2 (57.6)	4.1 (61.7)	-9.1 (61.9)
18 यदि बिक्री मूल्य में वृद्धि अनुमानित हो	कम दर पर वृद्धि	9.0 (64.0)	3.0 (61.3)	0.6 (54.7)	0.9 (54.0)	25.9 (53.5)
19 लाभ मार्जिन	वृद्धि	7.2 (61.0)	3.8 (59.8)	-3.6 (54.7)	-12.9 (53.3)	-18.6 (50.6)

टिप्पणी: 1. 'निवल प्रतिसाद की गणना' 'आशावादी' (सकारात्मक) और 'निराशावादी' (नकारात्मक) सूचना देनेवाली कंपनियों के बीच होनेवाले प्रतिशत अंश अंतर के अनुसार की गई है: यथापूर्व स्थिति (कोई परिवर्तन नहीं) के रूप में दी गई सूचना को हिसाब में नहीं लिया गया है। उच्चतर 'निवल प्रतिसाद' विश्वास के उच्चतर स्तर और विपरीत उसके विपरीत स्थिति को दर्शाता है।

2. कोष्ठकों के आंकड़े 'पिछली तिमाही की तुलना में परिवर्तन नहीं' उत्तर देनेवाले उत्तरदाताओं के प्रतिशत हैं।

सारणी 72 : पेशेवर पूर्वानुमानकर्ताओं द्वारा चुनिंदा समष्टि आर्थिक संकेतकों
का माध्यिका पूर्वानुमान 2008-09 और 2009-10

1	2	वास्तविक 2007-08	वार्षिक पुर्वानुमान				तिमाही पुर्वानुमान (2009-10)							
			2008-09		2009-10		ति1		ति2		ति3		ति4	
			ई	एल	ई	एल	ई	एल	ई	एल	ई	एल	ई	एल
3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15		
1	कारक लागत पर वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर (प्रतिशत में)	9.0	6.8	6.6	6.0	5.7	6.1	5.3	6.3	5.6	6.8	6.2	-	6.5
	क. कृषि और संबद्ध गतिविधियां	4.9	3.0	1.6	3.0	3.0	3.0	3.0	3.0	2.5	3.0	3.0	-	3.0
	ख. उद्योग	7.4	4.9	4.1	5.0	4.1	4.0	2.1	4.5	3.0	5.6	5.3	-	5.9
	ग. सेवाएं	10.8	9.0	9.3	7.5	7.5	7.6	7.3	8.1	7.4	8.3	7.5	-	8.2
2	सकल घरेलू बचत (वर्तमान बाजार मूल्य पर जीडीपी का प्रतिशत)	37.7	33.0	35.3	33.3	34.6	-	-	-	-	-	-	-	-
3	सकल घरेलू पूँजी निर्माण (वर्तमान बाजार मूल्य पर जीडीपी का प्रतिशत)	39.1	34.9	37.5	34.0	35.4	34.0	36.2	34.3	34.5	35.3	34.1	-	33.8
4	करोत्तर कारपोरेट लाभ (वृद्धि दर प्रतिशत में)*	26.2	15.0	13.5	12.0	9.0	10.0	-2.5	12.5	2.0	12.5	16.5	-	12.5
5	मुद्रास्फीति थोक मूल्य सूचकांक	4.7	8.3 #	8.3 #	-	-	2.4	-1.4	0.1	-2.5	3.0	1.6	-	4.8
6	विनिमय दर (यूस डॉलर / भारतीय रुपया अवधि के अंत में)	39.9	50.9 #	50.9 #	-	-	47.6	50.0	46.5	49.0	45.5	48.0	-	47.0
7	91 दिवसीय खजाना बिल प्रतिलाभ (प्रतिशत-अवधि के अंत में)	7.1	5.0 #	5.0 #	5.5	5.0	-	-	-	-	-	-	-	-
8	10 वर्षीय सरकारी प्रतिभूति प्रतिलाभ (प्रतिशत- अवधि के अंत में)	7.9	7.0 #	7.0 #	6.0	6.5	-	-	-	-	-	-	-	-
9	निर्यात (वृद्धि दर प्रतिशत में)	28.9	12.0	7.8	10.2	-4.0	-	-	-	-	-	-	-	-
10	आयात (वृद्धि दर प्रतिशत में)	35.4	17.7	17.2	-4.0	-8.4	-	-	-	-	-	-	-	-
11	व्यापार शेष (बिलियन अमरीकी डालर)	-	-	-	-	-	-33.3	-25.0	-35.5	-27.0	-31.8	-27.1	-	-28.0

ई : पूर्व अनुमान

एल : ताजा अनुमान

- : उपलब्ध नहीं

: वास्तविक

* : बीएसई पर सूचीबद्ध कंपनियों

टिप्पणी : नवीनतम दौर से तात्पर्य मार्च 2009 को समाप्त तिमाही के लिए सातवें दौर से है, जबकि पूर्व के दौर से तात्पर्य दिसंबर 2008 को समाप्त तिमाही के लिए छठे दौर से है।

स्रोत : सर्वे ऑफ प्रोफेशनल फोरकास्टर्स, चौथी तिमाही 2008-09।

प्रतिशत हो गई। इस सर्वेक्षण के अनुसार 2009-10 के लिए वास्तविक जीडीपी वृद्धि 6.0 प्रतिशत से 5.7 प्रतिशत हो गई है।

VII.7 2009-10 में वास्तविक जीडीपी वृद्धि के लिए चुनिंदा एजेंसियों द्वारा किए गए पूर्वानुमानों का उल्लेख सारणी 73 में किया गया है।

सारणी 73: विभिन्न एजेंसियों द्वारा 2009-10 के लिए भारत में वास्तविक जीडीपी का अनुमान

एजेंसी	नवीनतम अनुमान				अनुमान का महीना
	समग्र वृद्धि	कृषि	उद्योग	सेवा	
1	2	3	4	5	6
एडीबी*	5.0	-	-	-	मार्च-09
एसोचैम	6.5	-	-	-	दिसं.-08
जेपी मॉर्गन	6.2	-	-	-	नवें.-08
क्रिसिल	6.1	3.0	4.5	7.7	फर.-09
प्र.मं. की आर्थिक परामर्शदात्री परिषद	7.0-7.5	-	-	-	जन.-09
मेरिल लिंच	5.3	2.7	3.3	6.7	मार्च-09
सिटीग्रुप	5.5	-	-	-	मार्च-09
सीएमआई	6.6	-	-	-	अप्रै.-09
एनसीएईआर	6.9	2.7	6.6	8.4	जन.-09
ओईसीडी	4.3	-	-	-	मार्च-09
अंकटाड*	7.0	-	-	-	जन.-09
अं.मु.कोष	5.25	-	-	-	मार्च-09
विश्व बैंक	4.0	-	-	-	मार्च-09
आइसीआरआईआर	4.8-5.5	-	-	-	मार्च-09
दायरा	4.0-7.5	2.7-3.0	3.3-6.6	6.7-8.4	

* : कैलेंडर वर्ष